



TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-12 Issue - 1

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad
केन्द्र एवं उ०प्र० सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

www.tbcbgz.com

News
of the
Week

देश में कोरोना मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। 12 जून तक 286579 मामले संक्रमण के आए हैं। जबकि 8102 कोरोना पीड़ित लोगों की मौत हो चुकी है। विश्व में अब तक 4.21 लाख लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 75.36 लाख संक्रमित हैं।

Inside
Ghaziabad

पेज नंबर 2
आंखों से भी शरीर में पहुंच सकता है कोरोना वायरस...

पेज नंबर 7
Schools forcing us to pay fee, say parents



हेल्प लाइन नंबर

मास्क और सैनिटाइजर
कालाबाजारी की सूचना दें
0120-2829040

जरूरी सामान की दुकान
बंद कराए या मीडियाकर्मी
को रोके तो सूचना दें
9454403434

कोरोना वायरस के सैंपल
लेने के लिए जिला
एमएमजी अस्पताल स्थित
कंट्रोल रूम का नंबर
07011477836

संयुक्त जिला अस्पताल में
स्थापित कंट्रोल रूम
0120-2783098

सीबीआई अदालत में जमानत अर्जी दाखिल

गाजियाबाद : नोएडा इलेक्ट्रिक केबिल घोटाले के मामले के चार आरोपितों ने बृहस्पतिवार को सीबीआई की विशेष कोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की है। कोर्ट ने अर्जी पर सुनवाई के लिए 15 जून की तारीख तय की है। सीबीआई ने यादव सिंह और उसके सहयोगियों के खिलाफ तीन और चार्जशीट पेश की है।

वादकारियों को रोका गया कोर्ट के बाहर

गाजियाबाद: कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण कचहरी में अधिवक्ताओं की चिंता बढ़ गई है। बृहस्पतिवार को अधिवक्ताओं ने कोर्ट में आने वाले वादकारियों को पुलिस के सहयोग से कचहरी में आने से रोक दिया। अक्ताओं ने वादकारियों से कहा चिंता मत करो आपके मामले में अगली तारीख ले ली जाएगी। कोर्ट खुलने के बाद से लगातार कचहरी परिसर में वादकारी प्रतिदिन बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर ने विश्व पर्यावरण दिवस पर लगाए पौधे

वसुंधरा सेक्टर-12 स्थित परमानंद वाटिका में चीकू, पपीता, मौसमी, नीम व संतरे के 15 पौधे रैंपे



वसुंधरा : विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर व स्थानीय लोगों ने वसुंधरा सेक्टर-12 स्थित परमानंद वाटिका में चीकू, पपीता, मौसमी, नीम व संतरे के 15 पौधे लगाए और इनकी देखरेख का संकल्प लिया। पौधारोपण की शुरुआत रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर के चार्टर प्रेसीडेंट

डा.धीरज भार्गव, पूर्व अध्यक्ष मनीषा भार्गव, समीर आनंद, डीपी पांडेय (प्रकृति भाई), एचसी कुमार, अशोक गोयल, गोविंद सिंह, संजय, विक्रम ने की। डीपी पांडेय ने कहा कि पौधारोपण एक पुनीत कार्य है। इसके लिए सभी को आगे आना चाहिए। उन्होंने अब तक करीब ढाई लाख पौधे निशुल्क वितरित किए हैं। जिससे जनपद को



हरा-भरा बनाया जा सके। क्लब के चार्टर प्रेसीडेंट डा.धीरज भार्गव ने कहा कि डीपी पांडेय द्वारा जिले को हरा-भरा बनाने का अथक प्रयास किया जा रहा है जो सराहनीय है। क्लब के चार्टर प्रेसीडेंट डा.धीरज भार्गव ने बताया कि परमानंद वाटिका में क्लब द्वारा अब तक विभिन्न तरह के करीब 85 पौधे लगाए जा चुके हैं और इनकी देखभाल

की जाती है। क्लब जितने भी पौधे लगाएगा उन्हें मरने नहीं दिया जाएगा। वातावरण को दूषित होने से बचाने के लिए पौधों की अहम भूमिका होती है। लेकिन बीते कुछ समय से जिस तरह से पौधों की संख्या कम हुई है। उससे वातावरण दूषित हुआ है। इससे बचने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए।

मॉल खुले : हेलमेट, बैग व अन्य सामान अंदर ले जाना मना, मास्क पहनना जरूरी

गाजियाबाद : मोबाइल में आरोग्य सेतु एप अपलोड नहीं है तो गौड सेंट्रल मॉल में एंट्री नहीं होगी। इसके अलावा ऑप्पुलेंट व वीआईपी मॉल में बच्चों व बुजुर्गों को घर रहने की सलाह दी गई है। मॉल के अंदर बिना मास्क के साथ जाना व हेलमेट, बैग, अन्य सामान ले जाने पर पाबंदी दिखी। गुरुवार को पहले दिन खुले शॉपिंग मॉल में आने वालों की तादाद कम रही। शॉपिंग मॉल तमाम दिशा-निर्देशों के पालन के साथ खुल गए। गेट पर सैनिटाइजर मशीन के साथ ही गार्ड भी कोविड मार्शल के रूप में नजर आए। आरडीसी स्थित गौड सेंट्रल शॉपिंग मॉल में उन लोगों को बाहर की रोक दिया गया, जिन लोगों ने अपने मोबाइल में आरोग्य सेतु

शॉपिंग मॉल, होटल व रेस्टोरेंट
छह दिन खुलेंगे

एडीएम सिटी शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शॉपिंग मॉल, रेस्टोरेंट व होटल सप्ताह के छह दिन खुलेंगे। रविवार को बाकी मार्केट की तरह यह भी बंद रहेंगे। इस दिन मॉल, होटल व रेस्टोरेंट का सैनिटाइजेशन किया जाएगा। बाकी मार्केट का रोस्टर ज्यों का त्यों रहेगा।

एप्लीकेशन डाउनलोड नहीं थी। इसके अलावा राजनगर स्थित वीवीआईपी व जीटी रोड चौधरी मोड स्थित ऑप्पुलेंट मॉल में भी कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सरकार की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन कराया गया।

Gzb hospital to set up ward for SARI patients

Ghaziabad: The MMG District Hospital, which has been receiving about 10 patients with breathing difficulties on an average daily, is setting up a 30-bed dedicated severe acute respiratory infection (SARI) ward to deal with such cases. Initially, the patients will be provided oxygen support through a BiPAP machine, and if the condition does not improve, with a ventilator. Their preliminary Covid test will be done through the Truenat machine at the hospital, while a sample will be sent to Meerut Medical College for

confirmation. If the patient tests positive, he or she will be referred to a Covid hospital. Till the time the report comes, the patient will be kept at the hospital. The hospital will buy two BiPAP machines initially and later increase the number to six. Two ventilators are already available. The burns ward is being converted to treat SARI patients. According to the Indian Council of Medical Research (ICMR), a SARI case is defined as one with acute respiratory infection with a history of fever and cough and requiring hospitalisation.

आंखों से भी शरीर में पहुंच सकता है कोरोना वायरस : डॉ.मैनक भट्टाचार्य

कोरोना के समय कैसे रखें अपनी आंखों का ख्याल विषय पर RHAM ने किया वेबिनार का आयोजन

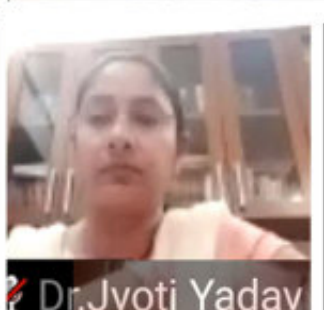
गाजियाबाद : रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान द्वारा बुधवार को कोरोना के समय कैसे रखें अपनी आंखों का ख्याल विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर, दिल्ली ईस्ट एंड, गाजियाबाद हेरिटेज, गाजियाबाद ग्रीन, दिल्ली सिटी, सोनीपत सेंटरल, सोनीपत अपटाउन, नोएडा यूथ का रोट्रेक्ट क्लब, इनरव्हील क्लब ऑफ जीआईईएक्स दिल्ली, गाजियाबाद भार्गव समिति, मान्यवर कांशीराम डिग्री कॉलेज नंदग्राम गाजियाबाद, इंग्राहम इंस्टीट्यूट ऑफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज गाजियाबाद के सहयोग से आयोजित किया गया। इसमें एसोसिएट सलाहकार डॉ.मैनक भट्टाचार्य ने कोविड-19 के दौरान आंखों का किस तरह ख्याल रखे इस विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। डिस्ट्रिक्ट 3011 के पीडीजी रो. संजय खन्ना ने स्वागत उद्बोधन किया।

सलाहकार डॉ.मैनक भट्टाचार्य ने बताया कि कोरोना वायरस आंखों के जरिए भी एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में पहुंच सकता है। इसके लिए हमें जागरूक होने की जरूरत है। संक्रमित मरीज के संपर्क में आने के बाद एक स्वस्थ व्यक्ति अपने वायरस लगे हाथों से अपनी आंखों को छू ले तो वायरस आंखों के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर सकता है। इसके अलावा आंसुओं के जरिए भी कोरोना वायरस एक संक्रमित व्यक्ति के शरीर से स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर सकता है। यही वजह है

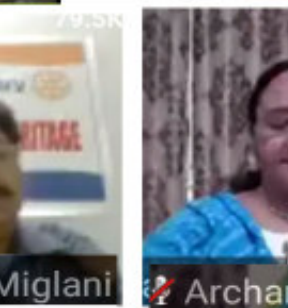


कि बार-बार सभी को हाथ धोने की सलाह दी जा रही है। जैसे-जैसे हमारे शरीर में कोरोना वायरस की संख्या बढ़ने लगती है, वैसे-वैसे यह वायरस एक-एक करके हमारे शरीर के सभी अंगों को अपनी चपेट में ले लेता है। आंखों के जरिये होने वाले कोरोना संक्रमण को गॉगल और ग्लास के जरिये ही रोका जा सकता है। कोरोना संक्रमित की देखभाल व घर से बाहर जाने के दौरान अपनी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए गॉगल्स का उपयोग करें। इसके साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग, बार-बार हाथ धोना, हाइजीन का ध्यान रखना और बिना हाथ धुले अपने चेहरे को हाथ नालगाना जैसी बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

मान्यवर कांशीराम डिग्री कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ.अर्चना वर्मा द्वारा कॉन्टेक्ट लेंस के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में डॉ.मैनक भट्टाचार्य ने बताया कि कॉन्टेक्ट लेंस पहनने वालों की आंखों के माध्यम से कोविड-19 से संक्रमित होने का अधिक खतरा होता है। यदि वे अपने लेंस की उचित सफाई, उचित देखभाल नहीं करते हैं या लेंस लगाते समय, अपने हाथ धोते समय और लंबा समय बीतने के बाद भी लेंस पहने हुए सोते हैं तो संक्रमित होने की संभावना है। इसे रोकने के लिए उचित तरीके से लेंस साफ करें या इसके बजाय चश्मे का इस्तेमाल करें। डिस्ट्रिक्ट 3040 लाहौर से वेबिनार में जुड़े रो.एम.असलम और रो. सलूजा ने भी सवाल-जवाब किए।



समन्वयक एवं रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के चेयरमैन डॉ. धीरज कुमार भार्गव ने कहा कि यह आयोजन संबंधित क्लबों और सहयोगियों के बिना संभव नहीं हो सकता था। उन्होंने इस आयोजन के लिए सभी को बधाई दी।



वेबिनार में आईपीडीजी रो. सुभाष जैन, डीजीएन रो. अशोक अग्रवाल, प्रोजेक्ट चेयरमैन रो.संदीप मिगलानी, प्रोजेक्टर को-चेयरमैन रो. राजेश मिश्रा, इंग्राहम इंस्टीट्यूट ऑफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्रिंसिपल सरिता शर्मा, उपदेश वर्मा, उत्तम शर्मा, वर्तिका सालिया, विनीता, वसीम मनसूर, वाई.के. त्यागी,



रिद्धिमा, हिमांशु पाल, दिलराज सिंह, यशोद्धरा रैना, शिखा, शिवानी, राहुल भार्गव, रो. सुनील मल्होत्रा, रो.मनोज, रो. रवींद्र सिंह, रो.रवींद्र सलूजा, साक्षी, रुबिना, रूपा शाह, ज्योति शर्मा, कुमार कर्ण, मनीषा भार्गव, मोनिका गोविल, नेहा चौधरी, पूनम पांचाल, प्रीति नंदी, राहुल भार्गव, एम सलीम चौधरी, डॉ.विशाल कुमार, डा. योगेंद्र सिंह, डा.ज्योति यादव, डा.प्रियंका सैनी, ईशा सैफी, जितेंद्र कुमार, जाहनवी सिंह, दयानंद शर्मा, डॉ.बॉबी यादव, डा.स्वेता शर्मा, डॉ.मीनू वाष्णीय, डॉ.निधि शुभानंद, डॉ.राजीव वर्मा, डॉ.विशाल कुमार, अजय सिंह, भगत सिंह, अनिल मोहिन्दर, अमिता मोहिन्दर आदि शामिल रहे।



ओटीएस में 30 सितंबर तक ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन संभव

गाजियाबाद : एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) में आवेदन का वक्त बढ़ने से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। जीडीए में आवेदन करने वाले बकायेदारों की संख्या बढ़ रही है। सबसे ज्यादा आवेदन इंदिरापुरम और नंदग्राम के बकायेदारों की ओर से प्राप्त हो रहे हैं। ओटीएस योजना के तहत आवेदन करने वाले बकायेदारों को दंड ब्याज माफी का लाभ मिलेगा। शासन छह मार्च से पांच जून तक तीन माह के लिए ओटीएस लाया था। इसी बीच लॉकडाउन लग गया। जिसके कारण कम लोगों ने ही आवेदन किया। लॉकडाउन पीरियड में केवल ऑनलाइन

आवेदन की सुविधा थी। आवाजाही पर प्रतिबंध होने के कारण जीडीए को ऑफलाइन मोड से आवेदन लेने की प्रक्रिया बंद करनी पड़ी थी। पांच जून तक इस योजना में 465 करोड़ 79 लाख दो हजार 935 करोड़ रुपये के 8294 बकायेदारों में से मात्र 256 के ही आवेदन प्राप्त हुए थे। शासन ने लॉकडाउन की परिस्थितियां और विकास प्राधिकरण के आग्रह पर छह जून से ओटीएस को 30 सितंबर तक के लिए आगे बढ़ा दिया था। बीते छह दिनों में ओटीएस के आवेदनों की संख्या बढ़ कर 289 हो गई है। जीडीए के अपर सचिव सीपी त्रिपाठी ने

बताया कि ओटीएस में आवेदन के लिए समय सीमा बढ़ने और ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन आवेदन की सुविधा मिलने से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। सबसे ज्यादा आवेदन इंदिरापुरम और नंदग्राम के बकायेदारों के प्राप्त हुए हैं। जीडीए के रिकॉर्ड के अनुसार सबसे ज्यादा बकायेदारों 3061 बकायेदार नंदग्राम में हैं। इन पर 30 करोड़ 34 लाख 48 हजार 990 रुपये बकाया हैं। लेकिन सबसे ज्यादा बकाया इंदिरापुरम के बकायेदारों पर है। यहां के 1624 बकायेदारों पर जीडीए का 190 करोड़ 79 लाख 74 हजार 233 रुपये बकाया है।

कोरोना वायरस : जून में लगभग 11 लोग रोजाना दे रहे कोरोना को मात

गाजियाबाद : लॉकडाउन में छूट मिलने के बाद कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं तो साथ ही स्वस्थ होने वालों की संख्या भी बढ़ रही है। मई के मुकाबले जून में औसतन रोजाना ठीक होने वालों की संख्या दो गुनी हो गई है। मई में रोजाना छह लोग ठीक होते थे तो वहीं जून में यह आंकड़ा बढ़कर करीब 11 हो गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि ये अच्छे संकेत हैं। हमारा रिकवरी रेट भी तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि संक्रमितों की संख्या भी तीन गुना है। मई में 189 लोग

स्वस्थ हुए थे तो वहीं जून के 11 दिन में 118 लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बृहस्पतिवार को कोरोना के 24 नए आए हैं। इसके अलावा दो लोगों की मौत की पुष्टि भी हुई है। बृहस्पतिवार को नौ लोग कोरोना संक्रमण मुक्त हुए हैं, जिन्हें छुट्टी देकर होम क्वारंटाइन के लिए भेज दिया गया है। मृतकों में मालीवाड़ा निवासी 63 वर्षीय बुजुर्ग और मोदीनगर में रहने वाले 75 वर्षीय बुजुर्ग हैं। संक्रमित पाए जाने वालों में 13 ने निजी लैब से जांच कराई थी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वेबिनार का किया गया आयोजन, पर्यावरणविद्, रोटेरियन और आम नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण पर दिया बल

पर्यावरण को बचाने के लिए पेड़ लगाएं : विजयपाल बघेल

गाजियाबाद : विश्व पर्यावरण दिवस पर 5 जून को रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान द्वारा जूम एप पर स्वास्थ्य और पर्यावरण तथा कोविड-19 का प्रकृति पर प्रभाव विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें पर्यावरणविद्, रोटेरियन और वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया। वेबिनार में रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद हेरिटेज, रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ईस्टर्न, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद मेट्रो, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद ग्रीन, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत सेंट्रल, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत अपटाउन, रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली सिटी, दिल्ली के इनरव्हील क्लब, गाजियाबाद भार्गव समिति, मान्यवर कांशीराम डिग्री कॉलेज नंदग्राम गाजियाबाद, इंग्राहम इंस्टीट्यूट ऑफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज गाजियाबाद, सक्षम फाउंडेशन व रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान शामिल रहे।

पर्यावरण सचेतक समिति के अध्यक्ष एवं ग्रीन मैन विजयपाल बघेल ने कहा कि यदि हमें पर्यावरण को बचाना है तो अधिक से अधिक पेड़ लगाए। सरकारी कागजों में तो सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। इसके लिए हमें ही आगे आना होगा। यदि हम प्रकृति से आक्सीजन ले रहे हैं तो हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम प्रकृति को कुछ दें। इसके लिए हम ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए। पेड़ों को कटने से बचाएं। अभियान चलाकर लोगों को भी पेड़ लगाने की मुहिम में जोड़े। उन्होंने संकल्प लिया कि प्रतिदिन पौधारोपण करने की सतत परंपरा को जारी रखना है। अयोध्या से श्रीलंका तक राम वन गमन मार्ग पर सघन पौधारोपण करने के लिए सहभागी चेतना यात्रा निकालेंगे। भारत में लगभग 8 लाख ग्राम पंचायत से लेकर संसद तक सभी सरकारी कार्यालयों पर राष्ट्रीय वृक्ष बरगद का रोपण कराना है। सौ वर्ष से पुराने दरख्तों की पहचान करके उनको संरक्षित करना है। 23 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय विश्व वृक्ष दिवस घोषित कराने के लिए सभी देशों के दूतावासों को पत्र लिखेंगे। उनकी योजना है कि 1 जुलाई से 16 सितंबर तक 75 दिन उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में एक-एक



दिन प्रवास करके वृहद पौधारोपण कराएंगे। अक्टूबर माह के अंतर्गत देश के सभी 724 जिलों में पर्यावरण सचेतकों की टीम गठित की जाएगी। जनवरी 2021 से अप्रैल 2021 तक हरिद्वार में लगने वाले महाकुंभ को हरित महाकुंभ का दर्जा दिलाया जाएगा। 5 जून 2020 से 4 जून 2021 तक प्रतिदिन हरित जागरण करके जन सहभागिता के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि वे ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करें।

विशिष्ट अतिथि पर्यावरणविद् एवं एडवोकेट आकाश वशिष्ठ ने कहा कि इस साल लक्ष्य है कि न्यायिक आदेशों, सेंट्रल ग्राउंड वाटर अथॉरिटी के दिशा निर्देशों के आधार पर सभी आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक, संस्थागत और सरकारी परिसरों में वर्षा जल संचयन प्रणाली रेन वाटर हार्वेस्टिंग लगाने के साथ झील, तालाबों और अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने व भूजल के अपव्यय को रोकने के लिए टास्क फोर्स का गठन कराया जाएगा। ग्रीन बेल्ट, शहर के जंगलों और पार्कों का एनजीटी के निर्देशों के आधार पर पुनोद्धार और एनजीटी के

आदेशों के हिसाब से सड़कों और सड़कों के समतलीकरण की जांच कराई जाएगी। सभी कंक्रीट और इंटर लॉकिंग टाइल्स को हटाने, जिले में अवैध मिट्टी खनन रोकने, मिट्टी का संरक्षण करने हिंडन नदी के कायाकल्प के लिए एनजीटी द्वारा आदेश जारी कराने के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त कराने के साथ ही यहां वृक्षारोपण करने और सीवरेज, औद्योगिक अपशिष्ट को हिंडन में प्रवाहित किए जाने पर रोक लगवाने की योजना है। वह रेन वाटर हार्वेस्टिंग को लेकर खास मुहिम चलाएंगे। उन्होंने संकल्प लिया है कि पेड़ लगाने के साथ उनके रखरखाव को लेकर सरकारी एजेंसियों के सहयोग से ही लोगों को साथ लेकर काम करेंगे। हिंडन के आसपास सिटी फोरेस्ट और साईं उपवन को बचाने की मुहिम भी तेज की जाएगी।

समन्वयक और रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के चेयरमैन डॉ.धीरज भार्गव ने कहा कि वातावरण को स्वच्छ बनाने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। लॉकडाउन के दौरान वातावरण स्वच्छ हो गया था। हवा में

ताजगी, चटक धूप देखने को मिली। हिंडन में जल प्रदूषण की मात्रा काफी कम हो गई। ज्यादातर लोगों को पहली बार एहसास हुआ कि स्वच्छ वातावरण कैसा होता है। सामान्य दिनों में जिले के 34 लाख की आबादी को ऐसा ही वातावरण मिले, यह मुमकिन नहीं है लेकिन कुछ लोग बेहतर के लिए प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए।

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नॉमिनी रोटेरियन अशोक अग्रवाल ने कहा कि गिरता जल स्तर चिंता का विषय है। हर घर में रोज कम से कम पचास लीटर पानी की बर्बादी छोटी सी गलती से हो रही है। आरओ के वेस्ट पानी का उपयोग न करना, टॉयलेट में जरूरत से अधिक पानी डालना और पानी की टंकी भरने के बाद भी मोटर को खुला छोड़ने से पानी बर्बाद हो रहा है।

वेबिनार में मान्यवर कांशीराम डिग्री कॉलेज नंदग्राम की प्रिंसिपल अर्चना वर्मा, इंग्राहम इंस्टीट्यूट ऑफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्रिंसिपल सरिता शर्मा, संदीप मिगलानी, राजेश मिश्रा, अंशुल जैन, दयानंद शर्मा,

अनिल छाबड़ा, विनोद अग्रवाल, निरझर मल्होत्रा, सुनील मल्होत्रा, नमन जैन, रितेश, मनीषा भार्गव, अंजलि भावा, प्रियतोष गुप्ता, सारंग अग्रवाल, पंकज गुप्ता, पुनीत मित्तल, संजय रोहिल्ला, अमिता महेंद्र, पूनम पांचाल, (सोनीपत), संदीप आहूजा (सोनीपत), विजय सरीन (सोनीपत), संजय बंसल वीवीआईपी सोसायटी, संगीता गोयल (आईनेक्स दिल्ली का इनरव्हील क्लब), श्रीमती नमिता गौड़ (क्रॉसिंग रिपब्लिक), गाजियाबाद भार्गव समिति के सदस्यों ने भी अपने विचार रखे।

वेबिनार में अनूप भार्गव, अजय कुमार, अंजलि, अशोक अग्रवाल, डीपी पांडेय, दयानंद शर्मा, डॉ. बाँबी यादव, डॉ. स्वेता शर्मा, डॉ. मीनू वार्णय, डा. निधि, बीना अग्रवाल, डॉ. ज्योति यादव, डॉ. विशाल कुमार, डॉ. राजीव वर्मा, डॉ. प्रियंका सेनी, ईशिका, ज्योति शर्मा, कमल अग्रवाल, कंचन गोस्वामी, मनीषा भार्गव, पूनम रानी, प्रदीप गोयल एजी जोन-5, प्रिया उपाध्याय, पुनीत कुमार मित्तल, राजेश मिश्रा, राजकुमार पांचाल, जगदीप चावला, रवींद्र सिंह, रूपा शाह, शिवम, तन्मू, सुभाष जैन, शरद सिंघल, उपासना दीक्षित, उर्वशी कटारिया, उत्तम शर्मा, अभिषेक त्यागी, आकाश वशिष्ठ आदि शामिल रहे।

EDITORIAL

Look back in relief: On the migrant labour crisis

The worst may be over for the country's inter-State workers. Many have returned home. More may be accommodated in Shramik trains scheduled to run, and some, it appears, do not mind staying where they are for work, now that the 'unlock' phase has begun in many parts of the country. The Supreme Court has fixed a 15-day deadline for the completion of the process of transporting all of them back home, besides asking governments across the country to drop criminal cases against them for violating the lockdown since it was imposed at short notice on March 25. Pursuing the lockdown violation charge would have been an exercise in triviality in the face of the desperation and despair this section of the population faced. Notwithstanding lingering criticism that the Supreme Court's intervention, on its motion, may have come too late, there ought to be a sense of relief over the improvement in their situation. Going by official claims by the Centre, as many as 57.22 lakh migrant workers have returned to their home towns from the States in which they have been earning a living. Given the scale of the unprecedented misery millions of them found themselves in over the last two months, the idea that both authorities and the courts are making an effort to ameliorate their living conditions is an undoubted source of comfort and relief. What stands out in the response of the Union government to the crisis and to the myriad voices that raised concern over the tribulations of such a large section of citizens is the ferocity and bull-headedness with which it sought to deny the magnitude of their suffering.

Chastened by open criticism from former members of the higher judiciary, as well as many senior lawyers and jurists, the top court has sought to redeem its stature by a series of directions; as well as by indicating its willingness to go into all pending issues. As part of its efforts, it made all State governments file comprehensive affidavits on the action they had taken to facilitate the return of the workers, provide them with immediate relief and the arrangements made for food and water for them during train journeys. It has further asked the States to spell out their plans for registering all the workers, their skills, their areas of employment and the different welfare and employment schemes meant for them. Several problems remain, not the least of them being the lapses on the part of the authorities across the country in dealing with the crisis. The inadequacy of facilities for registering and identifying those who wished to travel and the paucity of timely information and effective communication relating to the movement of trains and their destinations were other issues. Overall, the Court's belated intervention has occasioned a moment of much-needed introspection for everyone concerned on their responses, attitudes and shortcomings.

-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

जीडीए ने खरीदी सीवर जेटिंग मशीन

गाजियाबाद : मधुबन—बापूधाम के विकास पर जीडीए पूरा ध्यान दे रहा है। बृहस्पतिवार को यहां के लिए अगल सीवर जेटिंग मशीन खरीदी गई है। जिससे नियमित रूप से यहां की सीवर लाइन को साफ किया जा सके। जीडीए के अधिकारियों ने बताया कि आठ

लीटर क्षमता की जेटिंग मशीन खरीदी गई है। जरूरत पड़ने पर जीडीए के आसपास के इलाकों में सीवर सफाई के लिए इस मशीन का उपयोग किया जा सकता है। इससे पहले जीडीए ने इंदिरापुरम के लिए सीवर जेटिंग मशीन खरीदी थी।

सीएमओ ने बुखार पीडित छात्र को एमएमजी में करवाया भर्ती

गाजियाबाद % तमाम दिशा—निर्देशों के बावजूद आम मरीजों को अस्पतालों में इलाज नहीं मिल रहा है। सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता ने बृहस्पतिवार को 12वीं के छात्र को एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया, जो सोमवार से तेज बुखार की शिकायत के चलते इलाज के लिए भटक रहा था। राजनगर एक्सटेंशन निवासी छात्र के मुताबिक उसे पूर्व में स्वाइन फ्लू हुआ था, जिसका इलाज दिल्ली के अस्पताल में कराया था। ठीक होने के बाद घर आया और सोमवार को तेज बुखार के साथ खांसी भी होने लगी। नंदग्राम के निजी अस्पताल पहुंचा तो जांच

के बजाए नेहरूनगर के अस्पताल भेज दिया। यहां छात्र को अस्पताल में घुसने भी नहीं दिया। पीडित ने एसएसपी को भी फोन किया। मगर दो दिन तक उसे कोई कॉल नहीं आई। बृहस्पतिवार को छात्र आइएमएस कॉलेज में कोरोना बूथ पर गया, लेकिन जांच के लिए कर्मचारियों ने डॉक्टर की परामर्श की शर्त रख दी। सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता ने बताया कि छात्र के बारे में सूचना मिलते ही एंबुलेंस को घर भेजकर उसे एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर के परामर्श के आधार पर जांच कर उसका इलाज किया जाएगा।

मोहन नगर से चलीं मेरठ और सहारनपुर की बस

साहिबाबाद : मोहन नगर बस स्टॉप से बृहस्पतिवार को मेरठ और सहारनपुर के लिए बसें चलाई गईं। हालांकि यहां पर यात्री बहुत कम पहुंचे। बाद में पहले कौशांबी से यात्रियों को बैठाया गया। इसके बाद बसें मोहन नगर बस स्टॉप पर पहुंची। वहां से भी यात्रियों को बैठाया गया। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक एके सिंह ने बताया कि सुबह छह बजे से रात आठ बजे तक मोहन नगर बस स्टॉप से मेरठ, नजीबाबाद, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और शामली के लिए बसों का संचालन बृहस्पतिवार से शुरू कर दिया गया। बृहस्पतिवार को मोहन नगर बस स्टॉप से पहली बस मेरठ के लिए निकाली गई। अभी मोहन नगर बस स्टॉप पर यात्री कम आ रहे हैं। कौशांबी डिपो से यात्रियों को बैठकर मोहन नगर स्टॉप पर भेजा गया।

समय पर नहीं मिल रही एंबुलेंस

साहिबाबाद % जनपद में कोरोना संक्रमितों की संख्या अब एक दिन में 40 तक पहुंच रही है। जबकि करीब डेढ़ माह पहले पांच—दस मरीज ही कोरोना संक्रमित मिल रहे थे। कोरोना संक्रमितों को अस्पताल तक ले जाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से 14 एंबुलेंस लगाई गई हैं। लेकिन वह अब कम पड़ने लगी हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा संक्रमित से कहा जाता है कि जब तक एंबुलेंस नहीं पहुंचती है, वह घर में ही रहें। जल्द ही अस्पताल पहुंचने के लिए लोग निजी वाहन या प्राइवेट एंबुलेंस का सहारा भी लेने लगे हैं। कोरोना संक्रमित के मिलने के बाद उसको घर से लेकर अस्पताल तक पहुंचाने में एक एंबुलेंस को पांच घंटे तक का

समय लग रहा है। संक्रमित के घर पहुंचने पर एंबुलेंस चालक को इंतजार करना पड़ता है, अस्पताल में भी कोरोना संक्रमित को दाखिल करने की प्रक्रिया में समय लगता है। ऐसे में अब स्थिति यह हो गई है कि कई संक्रमितों को अस्पताल पहुंचने में एक दिन से अधिक का समय भी लग रहा है। इस वजह से स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का भी आरोप पूर्व में लग चुका है। सीएमओ डा. एनके गुप्ता ने बताया कि जनपद में 14 एंबुलेंस कोरोना संक्रमितों को अस्पताल पहुंचाने के लिए लगाई गई हैं। अब कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है, इस वजह से कई स्थानों पर एंबुलेंस पहुंचने में देरी हो जाती है।

उल्लंघन पर फर्म की जमानत धनराशि जब्त

साहिबाबाद : गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने इंदिरापुरम में बस स्टॉप पर सशर्त वाटर एटीएम बनाने वाली प्लेनेट मीडिया फर्म की जमानत धनराशि जब्त कर अनुबंध निरस्त कर दिया गया है। वहीं, तत्कालीन अधिशासी अभियंता आरपी सिंह के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू किए जाने की संस्तुति की गई है। इंदिरापुरम योजना के तहत जीडीए की ओर से 33 स्थानों पर बस स्टॉप बनवाए गए थे। बस स्टॉप का रख रखाव करने व जन सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्लेनेट मीडिया नाम की फर्म को वाटर एटीएम और विज्ञापन के लिए यूनिपोल लगाने का टेंडर दिया गया था।

गर्मी बढ़ने के साथ ही लोगों को दिन—रात रुला रही बिजली

गाजियाबाद : गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली ने लोगों को बुलाना शुरू कर दिया है। शहर के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति घंटों बाधित रही। गर्मी में पेयजल की किल्लत से लोग जूझते रहे। गर्मी शुरू होने के साथ ही बिजली ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। बुधवार को जहां संजय नगर, जागृति विहार, मानसी विहार, विजय नगर, गोविंदपुरम समेत एक दर्जन से ज्यादा कॉलोनियों में बिजली 4 से 5 घंटे बंद रही। वहीं, गुरुवार को भी यही आलम रहा। गोविंदपुरम के एक इलाके में रात के समय हुए फाल्ट के चलते बिजली करीब 9 बजे से 2 बजे तक करीब 5 घंटे बंद रही। गर्मी से परेशान लोगों ने छत और गली में टहलकर रात गुजारी। इसके अलावा शास्त्री नगर, प्रताप विहार, संजय नगर,

जागृति विहार, पटेल नगर, नंद ग्राम समेत दर्जनों में विद्युत आपूर्ति 2 से 3 घंटे ठप रही। लोगों को इस बीच पेयजल की समस्या से भी जूझना पड़ा। बता दें कि गाजियाबाद में मुख्यमंत्री की ओर से 24 घंटे विद्युत आपूर्ति के आदेश हैं। बावजूद इसके गर्मी शुरू होने के साथ ही अलग—अलग वजह से शहर का अधिकांश हिस्सा दो से पांच घंटे की विद्युत कटौती से जूझ रहा है। हालांकि विद्युत निगम की ओर से 24 घंटे आपूर्ति देने का दावा किया जा रहा है। मुख्य अभियंता आरके राणा ने बताया कि गर्मी में लाइन व ट्रांसफार्मर में फाल्ट होने से कुछ देर के लिए बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिसे समय रहते हैं विद्युत निगम की टीम ने ठीक कर आपूर्ति सुचारु कर दी।

स्व.राजेश पायलट को दी श्रद्धांजलि

गाजियाबाद : अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा गाजियाबाद इकाई की ओर से कोट गांव राकेश मार्ग स्थित जिला कार्यालय पर किसान नेता राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी गई। गुर्जर समाज के पूर्व केंद्रीय मंत्री व किसान नेता राजेश पायलट की 20वीं पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। इस मौके पर प्रदेश महासचिव एकलव्य बैसला ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री व किसान नेता राजेश पायलट कुशल नेतृत्व के छवि वाले निर्भीक किसान नेता थे। वे संचार क्रांति के जनक थे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष प्रियंक विकल, मोहित नागर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने कहा—मरीजों को भर्ती करने में आनाकानी करने वाले अस्पतालों पर होगी कार्रवाई

गाजियाबाद : कोरोना वायरस के कठिन समय में अस्पताल में आने वाले मरीजों को ठीक प्रकार से अटैंड न करने और उन्हें भर्ती न करने वाले अस्पताल प्रशासन की कार्रवाई की जद में आएंगे। ऐसे अस्पतालों की शिकायत मिलने के बाद प्रशासन इनके खिलाफ नोटिस जारी कर कार्रवाई करेगा। इसके लिए जिले के मुख्य सरकारी व निजी अस्पतालों में बनाई गई हेल्प डेस्क को और सक्रिय कर दिया गया है। प्रशासन प्रतिदिन इस हेल्प डेस्क की समीक्षा कर रहा है। पूर्व में एक अस्पताल की शिकायत मिलने के बाद प्रशासन संबंधित अस्पताल को नोटिस भी जारी कर चुका है। जिलाधिकारी अजय शंकर

पांडेय ने बताया कि कोरोना वायरस के संक्रमण से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए शासन के निर्देश पर जिले के सभी प्रमुख सरकारी व निजी अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाएं शुरू कराई गई हैं। इन अस्पतालों में मरीजों को आने वाली विभिन्न प्रकार की समस्याओं को समाप्त करने के लिए व मरीजों की सुविधा के लिए पूर्व में अस्पतालों में हेल्पडेस्क बनाई गई थीं। उन्होंने बताया कि इस हेल्प डेस्क का उद्देश्य अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों व अस्पताल के बीच समन्वय और अस्पताल व प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करना है। जनपद स्तर पर डॉ. संजय अग्रवाल अपर मुख्य

चिकित्साधिकारी को इसका नोडल अधिकारी बनाया गया था। इन हेल्प डेस्क पर सिविल डिफेंस के वार्डन राउंड द क्लॉक उपस्थित रहकर समन्वय स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हेल्प डेस्क का मुख्य उद्देश्य था कि अस्पतालों में आने वाले मरीजों को इंतजार न करना पड़े और उनका जल्द से जल्द उपचार शुरू हो सके। हेल्प डेस्क पर तैनात सिविल डिफेंस के वार्डन अस्पतालों पर निगाह बनाए हुए हैं और अस्पतालों की पूरी जानकारी प्रशासन को उपलब्ध करा रहे हैं। ऐसे में अब मरीजों के उपचार में हीलाहवाली करने वाले अस्पतालों के खिलाफ प्रशासन कार्रवाई करेगा।

ली क्रिसेंट अस्पताल को प्रशासन ने बनाया डेडिकेटिड अस्पताल

गाजियाबाद : कोरोना वायरस की रोकथाम व पॉजिटिव मरीजों को समय रहते उपचार के लिए प्रशासन ने डेडिकेटिड अस्पताल बनाने का काम शुरू कर दिया है। प्रशासन ने वसुंधरा स्थित नवनिर्मित ली क्रिसेंट अस्पताल को डेडिकेटिड अस्पताल बनाया है। बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने अधिकारियों के साथ अस्पताल का निरीक्षण किया और यहां तैयारियों का जायजा लिया। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि वर्तमान में कोविड—19 के संक्रमित मरीजों में सर्दी, खांसी, जुकाम, गला खराब के साथ बुखार व अचानक सांस फूलने के लक्षण आ रहे हैं। ऐसे में संक्रमण की रोकथाम व

मरीजों को समय से इलाज कराने के लिए वसुंधरा के ली क्रिसेंट अस्पताल को डेडिकेटिड अस्पताल बनाया गया है। इस अस्पताल में केवल कोरोना पॉजिटिव मरीजों का उपचार किया जाएगा। अस्पताल में कोविड—19 संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए 100 बेड, 10 इमरजेंसी बेड, छह डायलिसिस मशीन व अन्य सभी प्रकार के आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था है। किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए यह अस्पताल अपने आप में सक्षम है। अस्पताल प्रबंधन ने जिलाधिकारी को बताया कि शीघ्र ही अस्पताल में सारी मेडिकल व्यवस्थाएं सुनिश्चित करा ली जाएंगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की महिला चिकित्सक हुई संक्रमित

लोनी : शहर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात महिला चिकित्सक के कोरोना संक्रमित पाए जाने से लोगों में भय का माहौल है। अधिकारियों ने स्वास्थ्य केंद्र को सैनिटाइज कर केंद्र में कार्यरत 14 लोगों को क्वारंटाइन के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिखा है। उपजिलाधिकारी खालिद अंजुम ने बताया कि दिल्ली रोहिणी निवासी महिला चिकित्सक शहर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत थीं। पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत खराब होने के चलते वह केंद्र नहीं आ रही थी। बुधवार को उन्होंने

स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. राजेश तेवतियां को पत्र के माध्यम से अपने कोरोना संक्रमित होने की सूचना दी। केंद्र प्रभारी ने मामले की जानकारी उपजिलाधिकारी को दी। जिस पर उपजिलाधिकारी ने बृहस्पतिवार को केंद्र प्रभारी समेत केंद्र में कार्यरत 14 लोगों को क्वारंटाइन कराने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिखा है। उपजिलाधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र को सैनिटाइज कर बंद कराया गया है। उपजिलाधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र को सील करने की कार्रवाई की जा रही है।

निजी लैबों पर कसेगा शिकंजा, रिपोर्ट पर जांच के आदेश

गाजियाबाद : कोरोना संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा के लिए जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने अपने कैंप कार्यालय पर अधिकारियों के साथ बैठक की। समीक्षा बैठक में पाया गया कि जिले में संचालित निजी लेब जो कोविड—19 की जांच कर रही हैं उनकी रिपोर्टों में लगातार विरोधाभास मिल रहा है। इससे कोरोना संक्रमण को लेकर चल रही तैयारियों में परेशानियां सामने आ रही हैं। इस पर जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को निजी लेब के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा है। यह रिपोर्ट आने के बाद प्रशासन द्वारा लेबों पर शिकंजा कसा जाएगा। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने समीक्षा बैठक में पाया कि निजी

लेब से प्राप्त होने वाली रिपोर्टों में सामंजस्य की कमी है। तीन समस्याएं कोरोना संक्रमण को रोकने में आ रही हैं। उन्होंने बताया कि कई ऐसे प्रकरण हैं जिनमें निजी लेब से प्राप्त रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई है जबकि सरकारी लेब से जांच हुई तो वह नैगटिव आई है। कई मामले ऐसे पाए गए कि जहां लेब द्वारा डिस्ट्रिक्ट सर्विलांस आकिरी को बाद में रिपोर्ट मिली लेकिन मरीज को पहले ही सूचना प्राप्त हो गई। इसके अलावा कई मामले ऐसे भी प्रकाश में आए हैं जिनमें न तो मरीज को कोई सूचना दी गई और न ही लेब को सूचना दी गई और न ही यह सूचना पोर्टल पर दर्ज हुई लेकिन सोसायटी में रहने वाले पड़ोसियों के माध्यम से यह सूचना जिला सर्विलांस

अधिकारी को प्राप्त हुई। समीक्षा में पाया गया कि दिल्ली में रोगी के होम क्वारंटाइन की व्यवस्था है और दिल्ली निजी अस्पतालों से जांच कराकर डिस्चार्ज स्लीप लेकर कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति गाजियाबाद में अपने घर होम क्वारंटाइन में रहने लगता है। ऐसे लोगों की सूची आरडब्ल्यूए के माध्यम से प्राप्त हो रही है। कोरोना पॉजिटिव की स्थिति में सूचना प्राप्त होने पर तत्काल उन्हें कोविड अस्पताल गाजियाबाद में भर्ती कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि ऐसे सभी मामलों पर तथ्यों के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ताकि कार्यवाही के लिए और समस्या के समाधान के लिए प्रकरण को उच्च स्तर पर भेजा जा सके।

78 दिन बाद शुरू हुआ कैलास मानसरोवर का निर्माण कार्य

गाजियाबाद : कैलास मानसरोवर भवन का निर्माण कार्य फिर से रफ्तार पकड़ेगा। राजस्थान से लौटे कुछ कामगारों के साथ स्थानीय कामगारों को लगाकर बृहस्पतिवार को 78 दिन बाद भवन का निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है। उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम के परियोजना प्रबंधक एसके त्यागी का कहना है कि राजस्थान की सीमाएं फिर से सील होने से चलते कुछ कामगार वहीं अटक गए हैं। वह आ जाएं तो निर्माण कार्य पूरी रफ्तार से कराया जा सकेगा। कैलास मानसरोवर भवन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का महत्वाकांक्षी

प्रोजेक्ट है। जो इंदिरापुरम के शक्तिखंड—चार में बन रहा है। धर्मार्थ विभाग इसका निर्माण उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम से करा रहा है। निगम अपनी निगरानी में ठेकेदार से इसे बनवा रहा है। इसका निर्माण कार्य पहले 25 मार्च से लागू हुए लॉकडाउन के कारण रुका। लॉकडाउन में ढील मिलने पर निर्माण करने की इजाजत मिली तो ट्रेन और बस चलने पर कामगार अपने गांव लौट गए थे। जिस वजह से भवन का निर्माण शुरू नहीं हो पाया था। इस प्रोजेक्ट में ज्यादातर कामगार राजस्थान के धौलपुर और बंसी पहाड़पुर इलाके के काम कर रहे थे। कुछ मजदूर मथुरा के थे।

आरडीसी के गेट पर लगाया डायवर्जन हटाया गया

गाजियाबाद : हापुड़ रोड पर आरडीसी गेट के पास लगने वाले जाम को खत्म करने के लिए जनवरी—2020 में ट्रैफिक पुलिस द्वारा किया गया डायवर्जन सिविल पुलिस ने हटा दिया है। बृहस्पतिवार को यहां से सभी बैरिकेड्स हटा लिए गए हैं। ट्रैफिक पुलिस की मानें तो चेकिंग के लिए नाकाबंदी करने में बैरियर की जरूरत थी। इस कारण सिविल पुलिस ने इन्हें हटा लिया है। आरडीसी के गेट पर एक साथ चार दिशाओं से आने वाला ट्रैफिक मर्ज होता था, जिस कारण पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रहती थी। जनवरी में ट्रैफिक पुलिस ने गेट हापुड़ रोड तक बैरिकेड लगा दिए थे।

गायों को मिलेगा यूनिक नंबर, एप पर दर्ज होगा रिकार्ड

गाजियाबाद : सड़क पर गाय छोड़ने वालों का पता लगाने वाले एप का इस्तेमाल जुलाई माह से शुरू हो जाएगा। यदि कोई सड़क पर गाय छोड़ता है तो उसकी जानकारी पशु पालन विभाग को हो जाएगी। विभाग शहरी व ग्रामीण क्षेत्र की सभी गायों का यूनिक नंबर जारी करेगा। गायों के कान पर यूनिक नंबर लिखा टैग लगाया जाएगा। प्रत्येक गाय का पूरा रिकॉर्ड एप में दर्ज होगा। सड़क पर घूम रही गाय के यूनिक नंबर को एप में डालने पर उसके मालिक का आसानी से पता चल जाएगा। मालिक पर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में सड़क पर घूम रही गायों को संरक्षित करने के लिए जुलाई माह तक निर्माणाधीन दो बड़ी गौशाला

बनकर तैयार हो जाएंगी। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में एक लाख 200 गाय हैं। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में 29 गौशालाएं हैं। गौशालाओं में 3841 पशु संरक्षित हैं। पशु पालन विभाग और नगर निगम बार—बार शहर की सड़कों को बेसहारा गायमुक्त करने का दावा करता है। समय—समय पर गायों को पकड़कर गौशाला में छोड़ा जाता है। फिर से सड़कों पर गायों की संख्या बढ़ जाती है। सड़कों पर गाय के कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं। वहीं कूड़े में चारा खोजने के कारण गाय बीमार हो जाती हैं। गाय छोड़ने वालों पर शिकंजा कसने के लिए पशु पालन विभाग ने एक एप विकसित कराया था।

Hospitals turning away patients: Are too many rules creating hurdles?

Noida: A series of orders issued by the Noida administration seems to have created confusion among private hospitals on the protocol to be followed for treatment of patients, particularly from other districts and states. Doctors associated with private hospitals have said it is this confusion that has led to several critical patients being turned away by healthcare facilities in the past fortnight. Four of them, including a newborn, have died after being allegedly denied timely treatment. Both government and private hospitals have been accused of negligence in these cases. The

first order on protocols for hospitals — at a time Covid cases were rising in the city — was issued on April 11. The chief medical officer had not only asked hospitals to defer elective surgeries, but insist on Covid test reports before admitting a patient. The order, however, remained silent on emergency treatment, leading to confusion about how to deal with such cases. “It did not matter if a patient was undergoing treatment at our hospital in the past. If he stayed somewhere else, we had no option but to refuse them unless they produced a Covid test report. Everybody was

considered an asymptomatic carrier at that point,” said a doctor from a prominent hospital off Vishwakarma Road. On May 3, the health department issued another advisory — this time asking hospitals to create isolated fever clinics to treat those exhibiting virus-like symptoms. Sources said as this order wanted private hospitals to dedicate a portion of the building for such patients, they found it convenient to turn away anybody with even the mildest of symptoms. Mohita Sharma, the general secretary of the Indian Medical Association (IMA) in Noida, explained the

operational hurdles. “Hospitals that have multiple buildings and blocks with separate entry and exit can create fever or flu clinics. But the ones operating out of a single building will find it difficult to do so. If such hospitals were to create fever clinics, the immunity of those already admitted there may be compromised. The only plausible option is increasing the number of Covid care hospitals. A clear directive for patients from other districts will also help,” he added. The administration, however, stressed on the fact that hospitals cannot deny treatment to any patient Covid or otherwise.

EPCA asks Delhi, NCR states to submit report on Covid-19 biomedical waste

NEW DELHI: The Supreme Court-mandated Environment Pollution (Prevention and Control) Authority on Wednesday asked pollution control boards of Delhi and NCR states to furnish information on Covid-19 biomedical waste generated in various hospitals and quarantine centres. In a video conference, EPCA chairman Bhure Lal asked the representatives of Delhi Pollution Control Committee and pollution control boards of Haryana, Uttar Pradesh and Rajasthan to submit their report in two to three days. The reports must contain information on how much

Covid-19 biomedical waste is being generated in various hospitals, quarantine centres and houses of coronavirus patients and how it is being treated, Bhure Lal said. He said the authority had inspected some biomedical waste treatment facilities and hospitals in Delhi-NCR and compiled data before the lockdown came into force on March 25. "The exercise has resumed and we have now asked the states to furnish information related to Covid-19 biomedical waste too. They have been asked to submit their reports within three to four days," he said. The EPCA is expected to submit its report to the Supreme Court next week.

Noida’s Rs 1300-cr ‘Bike Bot’ ponzi scheme case: EOW raids 5 UP cities, recovers 178 bike taxis

MEERUT: Uttar Pradesh Police’s economic offence wing (EOW) on Monday conducted raids in five cities of the state and confiscated at least 178 unused motorcycles as part of its ongoing probe into an alleged scam in which bike taxis were used to float a ponzi scheme from Greater Noida. A whopping 2 lakh gullible investors were cheated across the country by promoters and a few employees of the company, Garvit Innovative Promoters. The case was transferred to EOW from police in February this year. On Monday, the raids were conducted in Meerut, Ghaziabad, Muzaffarnagar, Baghpat and Hapur. “Economic

offence wing conducted the raids in five districts of Meerut zone. Our local teams in each district aided EOW sleuths in their operation and 178 bikes registered in the name of Garvit Innovative Promoters limited were recovered,” said Rajeev Sabharwal, additional director general (Meerut zone). “Based on the details of the documents already seized, we zeroed in on agents of the company in various districts. Five teams were formed and raids were simultaneously conducted in five districts. We expect to make more such recoveries in near future,” said Ramsuresh Yadav, additional superintendent of police (EOW).

Pollution plan without boundaries in National Capital Region

NEW DELHI: The National Capital Region (NCR) consists of some of the most polluted cities in the world with Delhi often stealing the limelight, especially during winters when PM2.5 and PM10 levels cross 10 times the Indian safe standards. The Graded Response Action Plan (GRAP) rolled out by Environment Pollution (Prevention and Control) Authority (EPCA) every winter to tackle pollution applies to the entire NCR. However, most plans have largely centered around Delhi, despite data showing that Noida, Gurugram, Faridabad and Ghaziabad are potentially

more polluting. The air quality monitoring stations across the capital are also far more than other more polluting regions. Coal-based power plants at Rajghat and Badarpur have been shut, while industries have switched to cleaner fuel. Diesel vehicles, too, cannot be registered in the capital. In comparison, the neighbouring areas still have 11 coal-based power plants within a 300km radius of Delhi. Experts believe that without considering NCR as an airshed and ensuring regional cooperation, Delhi and cities like Gurugram, Noida, Ghaziabad and Faridabad cannot show improvement

alone. A Teri source-apportionment study in 2018 found that Delhi only contributed 36% to its own pollution in winters, with 34% coming from NCR and the remaining 30% from outside. This holds similar for other NCR cities, which often receive transboundary pollution. Anumita Roy Chowdhury, executive director, research and advocacy, Centre for Science and Environment, said, while Delhi has cleaned up its act, the NCR needs to follow suit, however, this won’t be possible if states act individually. “Delhi has implemented the clean fuel policy and coal has been

phased out. CNG and petrol are being given a push, alongside PNG for industries. However, this is not the case with NCR. A large number of polluting industries are still functioning across the neighbouring states, which means air quality cannot improve in Delhi if the surroundings are polluted,” Roy Chowdhury said. Aarti Khosla, director, Climate Trends, an NGO, said an airshed approach has worked abroad and was needed across the Indo-Gangetic plains. “Tackling it state-wise has its limitations, especially in a region where pollution is widespread,” she added.

हेल्प लाईन नंबर	
गाजियाबाद प्रशासन	
डीएम —	2824416
आवास —	2820106
एडीएम (सिटी) —	2828411
एडीएम (प्रशासन) —	2827016
सिटी मजिस्ट्रेट —	2827365
आयकर विभाग—	2714144
पासपोर्ट कार्यालय—	2721779
पुलिस अधिकारी	
एसएसपी —	2820758,9643322900
पुलिस अधीक्षक नगर—	2854015
पुलिसअधी. यातायात—	2829520
सीओ प्रथम—	2733070
सीओ द्वितीय —	2791769
सीओ एलआईयू—	2700925
सीओ लोनी—	3125539
जीडीए	
उपाध्यक्ष जीडीए —	2791114
जीडीए सचिव —	2790891
अस्पताल	
सी.एम.ओ. —	2710754
सी.एम.एस. —	2730038
आपातकालीन —	2850124
कोलम्बिया एशिया —	3989896
यशोदा अस्पताल—	2750001-04
गणेश अस्पताल —	4183900
संतोष अस्पताल —	2741777
सर्वोदय अस्पताल —	2701694
नरेन्द्र मोहन अस्पताल	2735253
जिला अस्पताल(एम्बुलेंस)	2730038
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस)	2701695
पुष्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल	4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर	43075600
बीएसएनएल	
जीएम	2755777
अग्निशमन विभाग	
नगर कन्ट्रोल रूम —	2734906
कोतवाली —	2732099
जिला कन्ट्रोल रूम —	2766898
पुलिस स्टेशन	
एसएचओ इंदिरापुरम—	9643322921
एसएचओ खोड़ा—	9643322922
एसएचओ—साहिबाबाद—	9643322923
एसएचओ लिंक रोड—	9643322924
कोतवाली —	2732088
सिहानी गेट —	2791627
कविनगर —	2711843
विजयनगर —	2740797
इंदिरापुरम —	2902858
लोनी —	2600097
अग्निशमन विभाग	2732099
	9818702101
रेलवे इन्कवायरी	131
नगर निगम	
नगरायुक्त—	2790425,2713580
विद्युत विभाग	
मुख्य अभियंता —	2821025
पूछताछ	
रेलवे कस्टमर —	2797840, 139
रिजर्वेशन —	8888
रोडवेज इन्कवायरी	2791102

प्रेस विज्ञप्ति, समाचार,
विज्ञापन के लिए
सम्पर्क करें।
Phone No.:
0120-4561000

How a video helped this 6-month-old with tumour get access to treatment

GHAZIABAD: The lockdown brought untold misery and suffering to millions in India, but what pained this migrant daily wager couple from Loni — Nazima and Abdul Kareem — was their inability to get their six-month-old son treated for a ball-sized tumour. Baby Ayaan was born with a tumour on his back six months ago. The couple was due to visit RML Hospital in Delhi three months ago for their son’s treatment but couldn’t due to the lockdown. In the meantime, Their son’s condition has worsened as the size of the tumour has grown and he is unable to even breathe properly. “Ayaan’s tumour grew with each passing day till it took the size of a football. He’s unable to sleep, eat and even breathe properly. It was not that we did not go to a doctor. We took him to RML Hospital and he was due to be operated in the next few days, but then the lockdown started,” Nazima told TBC. Originally from Bihar’s Bhagalpur district, Nazima and Abdul live in Loni’s Inderpuri, and both lost their livelihoods in the lockdown. What forced them to stay on in Loni was their determination to get their son operated.

Greater Noida nod to projects worth Rs 99 crore; help desk set up at office

GNOIDA: The Greater Noida Authority aims at completing more than 100 infrastructure and civil work in the city by the end of this month. The work orders to improve condition of roads, signage, rotaries, medians, streetlights and others would be commissioned at a cost of nearly Rs 99 crore, officials said. “The departments concerned have been asked to issue tenders and bids to invite contractors and vendors help finish 114 projects hit due to Covid-19 lockdown, by June 30. The authority has already floated tenders for 45 work worth Rs 16.52 crore.

NPCL starts SMS service for electricity bills, complaints

GNOIDA: The Greater Noida power discom, Noida Power Company limited (NPCL), has started an SMS service from Friday. Consumers can procure a copy of their electricity bill by supplying their meter reading, register complaints on status of bill/meter/wrong reading/supply issues, report power theft and avail all other information through one medium - by sending an SMS to 7840002288. The service was launched to facilitate consumers during Covid-19 spread and will continue for all times now post the pandemic, say officials. “Electricity consumers of

Notice to hospital for not admitting Covid-19 positive man

GZB: The health department has issued a notice to a private hospital for referring a patient — who was to undergo a surgery for kidney stones — to another hospital after he was found Covid positive. According to norms, the hospital should have admitted the patient to an isolation ward and initiated treatment. They said the 40-year-old from Nandgram had come to the hospital on June 3 and was advised to undergo a surgery and a Covid-19 test. Then, the hospital referred him to another hospital. An official said, two days’ time has been given to the hospital to respond.

Schools forcing us to pay fee, say parents

GHAZIABAD: Several parents associations from the city held meetings with the district magistrate on Tuesday and sought fee waiver for the current quarter and highlighted how some of the schools are pressuring the parents to pay up. The parents have been demanding the waiver for sometime and on Tuesday, the association members suggested that balance sheets of schools be checked to assess surplus funds with which institutions should pay the teachers. The associations have also said that although CBSE has cut short the syllabus by 40%, schools are conducting online classes

during summer vacations so that they can put pressure on parents and ask for fee. On Monday, the district magistrate had held a meeting with school associations and he was told that many institutions were not being able to pay salaries to their teachers, as many parents have not submitted school fee for the April-June quarter. "The school associations are totally unjustified in asking parents to pay up," said Seema Tyagi, president, Ghaziabad Parents' Association. "Some schools have pleaded with the district magistrate saying that they are not left with enough funds to pay salaries of the teachers.

RERA slaps Rs 93L fine on Noida realtor for delay in refund

Lucknow: A bench of Uttar Pradesh Real Estate Regulatory Authority (UPRERA) has imposed a penalty of Rs93 lakh on housing developer giant Mascot Homes Private Limited for delaying refund to buyers who invested in its housing project Manorath in Noida extension. It also directed the company to refund buyers’ money along with interest. The order was issued by UPRERA’s bench-2 NCR on June 2 on the petition filed by a section of buyers. The order said the promoter failed to give the possession on time.

PFA activist, teenager ‘assaulted’ in Greater Noida

GNOIDA: A 25-year-old activist of People for Animals (PFA) was allegedly groped and assaulted by a man in his forties, who also reportedly bit the face of a 14-year-old boy who tried to rescue her at Vasant Apartments of Greater Noida’s Omicron. On Tuesday evening, the woman was feeding stray dogs. The man, who was passing by, reportedly made remarks which she could overhear. “Day before yesterday, when I was feeding the dogs, Anirudh Bhardwaj came and started making some unwanted remarks. That day, I ignored him. He was

apparently drunk. On Tuesday, when I was feeding the strays, he tried to grope me. When I pushed him away, he scratched my back and my chest,” the woman told TBC. “A teenager who was passing by with his dog saw this and tried to help me. He slapped the boy and dragged him inside his house and then took him to the terrace and locked it up. He bit a part of his cheek so bad that the child started bleeding. When I raised an alarm, people gathered and broke open the door.” Residents said the man had been known to misbehave with women.

UP govt seeks 200 Shramik Specials to send workers home

LUCKNOW: UP government has requested the Centre to operate 200 Shramik Special trains from the state in order to send back people from other states who have not been able to return home till now. A significant number of workers employed in brick kilns are also expected to return to their states, especially Bihar, Chhattisgarh and Odisha. Additional chief secretary, home, Awanish Awasthi said on Monday that about 12,000 brick kilns are functional in the state, but as the monsoon is approaching, these will now be closed and those employed in the kilns will be allowed to return to their states, if they so desire.

Jewar airport drives Rs 1,600cr investments for YEIDA

GNoida: Investors are back at the doors of the Yamuna Expressway Authority. In fact, the Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) has allocated more than a dozen plots and secured investments worth close to Rs 1,600 crore since the easing of lockdown restrictions from May 5. The investments would lead to the generation of more than 27,000 jobs, officials said. And Tuesday onward, the Authority started going through the proposals of applicants interested in setting up shops at the Apparel Park

cluster. So far, about 20 plots have been allocated. The apparel park scheme would extend up to June 30. Authority officials have got names of 73 applicants by Wednesday evening, who had applied through Nivesh Mitra, the single-window portal set up by the UP government to facilitate investments. Shailendra Bhatia, chairman (investment cell) of the Yamuna Expressway Authority, said, “Applications of industrialists who want to set up shop along Yamuna Expressway were examined this week.

प्रतिस्पर्धा के चलते लोगों के स्वास्थ्य के साथ हो रहा है खिलवाड़

गाजियाबाद : कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए थ्री लेयर सर्जिकल मास्क से बाहरी हवा को फिल्टर करने की बजाए सांस रोक रहा है। थ्री लेयर सर्जिकल मास्क के बीच से जरूरी मेल्ट ब्लॉन फेब्रिक की लेयर गायब है। मास्क लगाकर सांस लेने में दिक्कत होने पर लोग मास्क नाक से नीचे खिसकाकर खतरा मोल लेने को मजबूर हैं। बाजार में छिड़ी प्रतिस्पर्धा की जंग में तमाम ठेकेदार घर-घर मास्क लीफ में इलास्टिक लगाने का काम करा रहे हैं। यहां से तैयार मास्क की कोई लेब टेस्टिंग व सैनिटाइज की व्यवस्था नहीं है। सर्जिकल मास्क 10 रुपये में 12 का पैक आसानी से उपलब्ध था। कोरोना के मामले बढ़े तो एक मास्क की कीमत 16 रुपये से 20 रुपये तक

पहुंच गई। बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार की ओर से थ्री लेयर सर्जिकल मास्क के लिए 10 रुपये सादा व 12 रुपये नॉज पिन प्रति मास्क की कीमत निर्धारित की गई। क्वालिटी को लेकर इसके लिए कोई गाइडलाइन जारी न होने पर बहुत से लोगों ने कमाई के नजरिये से मानक और मानव स्वास्थ्य को हाशिये पर रख दिया। लॉकडाउन के दौरान नॉन वूवेन बैग बनाने वालों ने मशीनों में थोड़ा चेंज कराने के बाद सर्जिकल मास्क बनाना शुरू कर दिया। मानक के अनुरूप थ्री लेयर मास्क के बीच लगने वाली मेल्ट ब्लॉन लेयर गायब कर दी। वहीं, नॉज पिन व इलास्टिक गायब करने के साथ ही इसके मूल स्वरूप में कमी कर दी।

बूथ पर नहीं लिए जा रहे कोरोना सैंपल

गाजियाबाद : आइएमएस कॉलेज में बनाए गए कोरोना सैंपल बूथ पर कर्मचारी सैंपल नहीं ले रहे हैं। आरोप है कि बूथ पर तैनात कर्मचारी वीटीएम (वायरस ट्रांसपोर्ट मीडिया) वॉयल खत्म होने बहाना बना बुखार से पीड़ित व्यक्ति और गर्भवती महिला को बिना जांच के लौटा दिया। गोविंदपुरम निवासी व्यक्ति ने बताया कि तेज बुखार के चलते निजी डॉक्टर ने उन्होंने कोरोना जांच की सलाह दी थी। दो दिन से वह लगातार कोरोना सैंपल बूथ के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनका सैंपल नहीं लिया गया। वहीं, विजयनगर निवासी व्यक्ति ने बताया कि आठ माह की गर्भवती पत्नी को डॉक्टर ने कोरोना जांच के लिए कहा है। लेकिन मायूसी ही हाथ लगी।

इलेक्ट्रिक बसों के परिचालन की डीपीआर शासन को भेजने के निर्देश

गाजियाबाद : शहर में इलेक्ट्रिक बसों का परिचालन शुरू करने की कवायद तेज हो गई है। बृहस्पतिवार को नगर आयुक्त ने कमेटी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर बसों के परिचालन की डीपीआर शासन को भेजने के निर्देश दिए हैं। शासन से हरी झंडी मिलने के बाद बस स्टैंड व चार्जिंग स्टेशन का काम शुरू कर दिया जाएगा। नगर निगम के अधिशासी अभियंता यांत्रिकी मनोज प्रभात ने बताया कि शासन ने टाटा, ओलेक्ट्रा और वीएसके बस कंपनी का चयन कर लिया है। प्रदेश के सात शहरों में इलेक्ट्रिक बस परिचालन की जिम्मेदारी इन कंपनियों को दी जाएगी। किस कंपनी को कौन से शहर में जिम्मेदारी दी जाएगी,

इस पर निर्णय होना बाकी रह गया है। उन्होंने बताया कि बसों का अनुक्षण की जिम्मेदारी कंपनी की ही होगी। नगर निगम केवल निगरानी करेगा। महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम के पीछे इलेक्ट्रिक बस के लिए स्टैंड और चार्जिंग स्टेशन बनाने का प्रस्ताव शासन को भेज जा चुका है। चार्जिंग स्टेशन बनाने में 38 करोड़ रुपये की लागत आएगी। 22 हजार 500 वर्ग मीटर जमीन पर 100 बसों के लिए 50 शेड का स्टैंड बनाया जाएगा। इसके साथ ही एक समय में 50 बसों की बैटरी चार्ज करने को इतने ही चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। यहां बस के लिए प्रवेश और निकासी गेट अलग बनाने के लिए पर्याप्त जगह है।



Rotary
R.I. District - 3012



Rotary HEALTH AWARENESS MISSION



ROTARY CONNECTS THE WORLD 2019-20

ROTARY CLUB OF INDIRAPURAM GALORE

CORONA VIRUS SAFETY COVID-19

Do not panic unnecessarily... Do not spread rumours...



Disinfect surfaces around your home and work



Wash your hands for at least 20 seconds

Symptoms of Novel Corona Virus (COVID-19)



COUGH



HIGH FEVER



HEADACHE



SORE THROAT

Prevention of Novel Corona Virus (COVID-19)



WASH YOUR HANDS OFTEN



WEAR A FACE MASK



AVOID CONTACT WITH SICK PEOPLE



ALWAYS COVER YOUR COUGH OR SNEEZE

Plot No. 516, Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad (U.P.) 201012

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava Mob.: 9871895198

Poonam Bala, Khushal Chopra, Prateek Bhargava, Suneel Gautam, Manisha Bhargava, Amit Kansal, Pankaj Saxena, Sandeep Indoria, Arun Kumar, Pankaj Bansal, Kunika Bhargava, Aproova Raj, Chandan Singhal, Saurabh Pandey, Sandeep Indoria, Arun Kumar, Sameer Anand, Mayank Bhargava, Nidhi Thareja